International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 6.882, Volume 05, No. 04(I), October - December, 2023, pp. 71-75

शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

निशा बाई*
डॉ. सुनील कुमार**

प्रस्तावना

प्राचीन काल में अध्यापक बनने हेतु प्रशिक्षण देने के लिए शिक्षा विद्यालय या प्रशिक्षण महाविद्यालय नहीं होते थे। गुरू अपने अपने आश्रम में ही विद्यार्थियों को शिक्षा देते थे। यह वंश परम्परा ही बनती चली गई और अब समय बदल गया है। जीवन की मूल्य, आवश्यकताएं, जीवन–दर्शन आदि तेजी से बदल रहे है, क्योंकि शिक्षा का स्वरूप बदल गया है। आज की शिक्षा व्यवसायिक शिक्षा हो गई है। ऐसे समय में शिक्षानीति एवं शिक्षण प्रक्रिया में बदलाव आना स्वाभाविक ही है। शिक्षा के स्वरूप एवं व्यवसायिकरण करने हेतु समय समय पर आयोग व समितियाँ बनाई गई।

वर्तमान समय में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम बी.एड़ एव एस.टी.सी स्तर पर संचालित है। बी.एड़ एव एस. टी.सी संस्थानों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों में अपने व्यवसाय के प्रति निष्ठा व कार्य संतुष्टि में कमी दिखायी पड़ती है। इसका सहज अनुमान शिक्षक संघों एवं आन्दोलनों की बढ़ती संख्या व तीव्रता से लगाया जा सकता है। इसके पीछे उनके कार्य करने में शिक्षण योग्यता, अभिक्षमता, अभिवृत्ति तथा समस्या समाधान में योग्यता का हाथ होता है।

शिक्षक प्रशिक्षक योग्य शिक्षकों का निर्माण तभी कर सकते हैं जब वह निःस्वार्थ भाव से अपने अध्यापन से सन्तुष्ट होकर विद्यार्थी को शिक्षा प्रदान करें। कार्य सन्तुष्टि मुख्यतः दो आधारों पर प्राप्त हो सकती है प्रथम व्यक्ति को उसकी प्रकृति अथवा स्वभाव, रूचि व सामाजिक वातावरण के अनुसार कार्य मिला हो दूसरा उसको अपने काम से कम से कम इतने धन की सुविधा व वेतन मिलता हो जो उस समाज में औसत स्तर के व्यक्ति को परिवार के जीवनयापन के लिए आवश्यक हो। अध्यापक को शिक्षण कार्य से मिलने वाले संतोष पर ही भावी पी पीढ़ी के सुखद भविष्य की कामना की जा सकती है। असन्तुष्ट अध्यापक व अध्यापिका असन्तुष्ट विद्यार्थियों को ही जन्म देंगे। यदि शिक्षक अपने कार्य से असन्तुष्ट होगा तो वह अपने दायित्वों को भली प्रकार नहीं निभायेगा। इसका कुप्रभाव विद्यार्थियों पर पड़ेगा और यह समाज के हित में नहीं होगा। शिक्षकों की कार्य सन्तुष्टि को अनेक तत्व प्रभावित करते है जैसे व्यवसाय के प्रति रूचि, विद्यालय का वातावरण, साथी कर्मचारियों का व्यवहार, प्रधानाचार्य/प्राचार्य का सहयोग कार्य से प्राप्त होने वाली आय, कार्य में उन्नति के अवसर आदि के अतिरिक्त आर्थिक, सामाजिक, पारिवारिक, विद्यालयी तथा भौतिक तत्वों के रूप में हम अध्यापक को मिलने वाले वेतन तथा उसकी सामाजिक स्थिति में बढ़ती महँगाई को ले सकते हैं। यदि शिक्षक अपने वेतन तथा मिलने वाली अन्य सुविधाओं से सन्तुष्ट हैं तो अध्यापक कार्य को बहुत ही अच्छे प्रकार से पूरा करते हैं। शिक्षक जिस कार्य को कर रहा है समाज में उस कार्य को कितनी सामाजिक प्रतिष्ठा और सम्मान है, शिक्षक के आस पास का पर्यावरण का भी कार्य सन्तोष के निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान है। यदि किसी कार्य में अपेक्षाकृत आय कुछ कम है पर सामाजिक प्रतिष्ठा उस कार्य की अधिक है तो वह व्यक्ति अधिक सन्तोष प्राप्त कर सकता है। जहाँ उत्साही और परिश्रमी शिक्षकों को पुरस्कृत एवं प्रोत्साहित किया जाता है अथवा उन्हें अधिक सम्मान प्रदान किया

* शोध छात्रा, लॉर्ड्स विश्वविद्यालय, चिकानी, अलवर, राजस्थान।
** निर्देशक, शिक्षा विभाग, लॉर्ड्स विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान।

जाता है वहाँ कार्य सन्तुष्टि में वृद्धि होती है। यदि इसके प्रतिकूल हुआ तो कार्य सन्तुष्टि का आभाव होगा एवं कार्य कुशलता में कमी आ जायेगी। शिक्षक को कार्य के लिए बाध्य करने पर उसमें कार्य के प्रति समर्पण का भाव नहीं रहता है। इस प्रकार का कार्य करने से वह कार्य का सम्प्रेष्ठ नहीं कर पाता है। अतः यदि शिक्षक सन्तुष्ट है तो वह अपने कार्य के प्रति न्याय करता है।

अभिवृत्ति

अभिवृत्ति किसी व्यक्ति का किसी विशिष्ट घटना, प्राणी, विचार या वस्तु के प्रति दृष्टिकोण है। व्यक्ति का यह दृष्टिकोण ही उसके व्यवहार को प्रभावित करता है। इस दृष्टिकोण के अनुसार ही व्यक्ति विभिन्न प्राणियों, घटनाओं तथा वस्तुओं के प्रति व्यवहार करता है। इस प्रकार अभिवृत्ति व्यक्ति की वह प्रकृति है, जो उसे किसी लक्ष्य, स्थिति या प्रस्ताव के अधीन अनुकूल या प्रतिकूल प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए उत्तेजित करती है।

थर्सटन के अनुसार, ''किसी मनोवैज्ञानिक वस्तु या पदार्थ से सम्बन्धित ऋणात्मक या धनात्मक प्रभावों की मात्रा ही अभिवृत्ति है।''

किसी भी कार्य को करने में अभिवृत्ति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिस काम में व्यक्ति की अभिवृत्ति नहीं होती है उस काम को करने में व्यक्ति नीरसता का अनुभव करता है जबकि उसी कार्य के प्रति व्यक्ति की अभिवृत्ति होने पर कार्य अच्छे एवं प्रभावी रूप से करता है। अतः अध्यापन कार्य को सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने हेतु भावी शिक्षकों को प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों का शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का एवं कार्य संतुष्टि का होना अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है।

समस्या कथन

''शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन ''

अध्ययन के उद्देश्य

- एस. टी. सी. एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन।
- एस. टी. सी. एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष व महिला अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

अध्ययन की परिकल्पनाऐं

- एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
- बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

शोधकर्त्री ने अपने शोध अध्ययन में शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति के निम्नलिखित परीक्षण का चयन किया है –

शिक्षण व्यवसास के प्रति अभिवृत्ति के लिए डॉ. एस. पी. आहलुवालिया द्वारा निर्मित Teacher Attitude Inventory (TAI) का प्रयोग किया गया है।

यादर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन में सोद्देश यादृच्छिक न्यादर्श के आधार पर दौसा एवं अलवर जिले के एस. टी. सी. एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत 400 शिक्षक प्रशिक्षकों का चयन किया गया है।

शिक्षक प्रशिक्षक 400			
एस.टी.सी. विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षक 200		बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षक 200	
पुरूष शिक्षक प्रशिक्षक 100	महिला शिक्षक प्रशिक्षक 100	पुरूष शिक्षक प्रशिक्षक 100	महिला शिक्षक प्रशिक्षक 100

विश्लेषण एवं व्याख्या

एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी 1: एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति स्तर माप

समूह	संख्या	मध्यमान MEAN	मानक विचलन S.D.	मध्यमान का अंतर	टी मान T. Value	स्वीकृत/ अस्वीकृत 0.5 स्तर पर
एस. टी. सी. विद्यालय में कार्यरत प्रशिक्षक	200	219.76	31.97	4.91	1.54	स्वीकृत
बी. एड. महाविद्यालय में कार्यरत प्रशिक्षक	200	224.67	31.46			

(डी.एफ 398 पर टी का सारणी मान .05 स्तर पर 1.96 एवं 0.01 स्तर पर 2.59)

उपरोक्त सारणी संख्या 1के अवलोकन के आधार पर एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 219.76 एवं मानक विचलन 31.97 हैं तथा बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 224.67 एवं मानक विचलन 31.46 हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर टी मान **(T.Value)** 1.54 प्राप्त हुआ है जो 398 स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर मान 1.96 से निम्न पाया गया है। अतः प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः उक्त परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

- एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी 2: एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति स्तर माप

समूह	संख्या	मध्यमान MEAN	मानक विचलन S.D.	मध्यमान का अंतर	टी मान T. Value	स्वीकृत/ अस्वीकृत 0.5 स्तर पर
पुरूष शिक्षक प्रशिक्षक	200	219.99	33.06	4.45	1.40	स्वीकृत
महिला शिक्षक प्रशिक्षक	200	224.44	30.35			

(डी.एफ 398 पर टी का सारणी मान .05 स्तर पर 1.96 एवं 0.01 स्तर पर 2.59)

उपरोक्त सारणी 2 के अवलोकन के आधार पर एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 219.99 एवं मानक विचलन 33.06 हैं तथा एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण

व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 224.67 एवं मानक विचलन 30.35 हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर टी मान **(T.Value)** 1.40 प्राप्त हुआ है जो 398 स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर मान 1.96 से निम्न पाया गया है। अतः प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि एस. टी. सी. विद्यालयों एवं बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः उक्त परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

- एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी 3: एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति स्तर माप

समूह	संख्या	मध्यमान MEAN	मानक विचलन S.D.	मध्यमान का अंतर	टी मान T. Value	स्वीकृत/ अस्वीकृत 0.5 स्तर पर
पुरूष शिक्षक प्रशिक्षक	100	217.91	36.65	3.69	0.81	स्वीकृत
महिला शिक्षक प्रशिक्षक	100	221.60	26.67			

(डी.एफ 198 पर टी का सारणी मान .05 स्तर पर 1.96 एवं 0.01 स्तर पर 2.59)

उपरोक्त सारणी 3 के अवलोकन के आधार पर एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 217.91 एवं मानक विचलन 36.65 हैं तथा एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 221.60 एवं मानक विचलन 26.67 हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर टी मान **(T.Value)** 0.81 प्राप्त हुआ है जो 198 स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर मान 1.96 से निम्न पाया गया है। अतः प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि एस. टी. सी. विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः उक्त परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

- बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

सारणी 4: बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति स्तर माप

समूह	संख्या	मध्यमान MEAN	मानक विचलन S.D.	मध्यमान का अंतर	टी मान T. Value	स्वीकृत/ अस्वीकृत 0.5 स्तर पर
पुरूष शिक्षक प्रशिक्षक	100	222.06	29.20	5.21	1.17	स्वीकृत
महिला शिक्षक प्रशिक्षक	100	227.27	33.52			

(डी.एफ 198 पर टी का सारणी मान .05 स्तर पर 1.96 एवं 0.01 स्तर पर 2.59)

उपरोक्त सारणी संख्या 3 के अवलोकन के आधार पर बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 222.06 एवं मानक विचलन 29.20 हैं तथा बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का मध्यमान 227.27 एवं मानक विचलन 33.52 हैं। मध्यमानों एवं मानक विचलनों की गणना के आधार पर टी मान **(T.Value)** 1.17 प्राप्त हुआ है जो 198 स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर मान 1.96 से निम्न पाया गया है। अतः प्राप्त आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि बी. एड. महाविद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षक प्रशिक्षकों व महिला शिक्षक प्रशिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। अतः उक्त परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. आबिद (1991). भारतीय संस्कृति एवं व्यवसाय :एन.बीटी. पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली
2. चौहान, वी. एवं जैन, के. (2003) निर्देशन एवं परामर्श. अंकुर प्रकाशन नयी दिल्ली
3. दुबे, आर. (1982). शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन के मूलाधार, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ
4. पाण्डेय, रामशकल (2007) ''शिक्षा मनोविज्ञान'' विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
5. पाठक पी. डी. (2007–08) ''शिक्षा मनोविज्ञान'' विनोद पुस्तक मंदिर आगरा।
6. भटनागर, चांद तथा राय, पारसनाथ, (1977): "अनुसंधान परिचय", एल.एन. अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
7. माथुर, एस0एस0 (2005). शिक्षा मनोविज्ञान. आगरा : विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
8. सिंह गया (2012) अधिगमकर्त्ता का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ।

❖◆❖